वीडियो शिविर

रोबोट्स

आप चमक सकते हैं चाहे आप किसी भी चीज से बने हों!

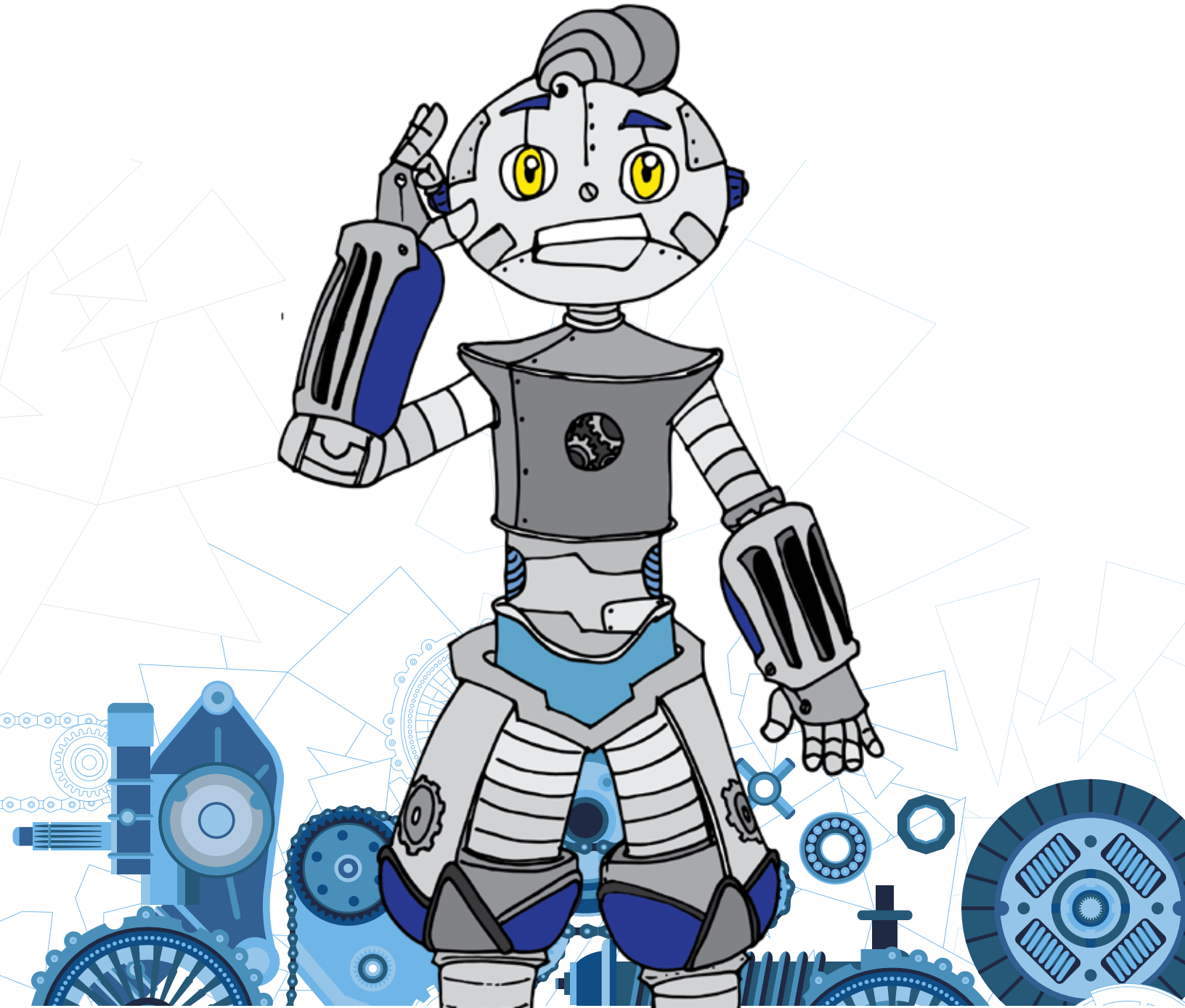

रोबोट शिविर

क्या आप आत्म-सम्मान पर केंद्रित एक वीडियो शिविर करने के लिए तैयार हैं? आप बच्चों को सिखा सकते हैं कि परमेश्वर उनके जीवन में कुछ बहुत ही विशेष कार्य कर रहे हैं, जैसा उसने गिदोन के साथ किया था। वह सचमुच महान कार्य करने के लिए बच्चों का उपयोग करना चाहते हैं!

समय-सारणी

शुक्रवार

4:00 पंजीकरण
6:00 कलीसिया सेवा (उद्घाटन, आराधना/गीत, और प्रचार #1)
7:00 डिनर
7:30 वीडियो देखें "रोबोट्स"
9:00 सामूहिक प्रार्थना/सोने की तैयारी

शनिवार

7:30 बच्चे उठते हैं
8:00 नाश्ता
8:30 गतिविधियाँ
9:30 कलीसिया सेवा (आराधना/गीत और प्रचार #2)
11:00 सामूहिक समय: प्रतिबिंब
11:30 खेल और गतिविधियाँ
12:30 शिल्पकला
1:30 दोपहर का भोजन
2:30 खेल/रोबोट नृत्य प्रतियोगिता
3:30 सामूहिक समय का समापन (स्तुति पार्टी, पुरस्कार आदि)
4:30 वापस जाने की तैयारी, पैकिंग
5:00 विदाई

प्रचार #1

"आप चमक सकते हैं चाहे आप किसी भी चीज से बने हों"
न्यायियों 6:11-32 पढ़ें

परमेश्वर आपसे प्यार करते हैं और आपको जानते हैं! हाँ, इसका मतलब हैं आप में से हर एक को। (भजन 117:2; यूहन्ना 15:12; रोमियों 5:8)
हममें से प्रत्येक जन महत्वपूर्ण है और परमेश्वर द्वारा सृजे गये हैं। आज हम बाइबल में गिदोन के बारे में सीखेंगे कि उसने कैसे यह समझने के लिए संघर्ष किया कि परमेश्वर उससे प्यार करते हैं और उसका उपयोग करना चाहते हैं, भले ही वह खुद को कमज़ोर महसूस कर रहा था।
बात ऐसी है कि, आज की दुनिया में लोग इस बात की अधिक परवाह करते हैं कि आपकी चमड़ी का रंग कैसा है, आपके पास कितना पैसा है, या आप किस देश या प्रदेश से हैं। मुझे ऐसा लगता है कि लोग लगातार दूसरों का मूल्यांकन करते हैं और निर्णय लेते हैं कि कौन अधिक महत्वपूर्ण है। लेकिन परमेश्वर हमें उस तरह नहीं देखते जिस तरह दुनिया के लोग हमें देखते हैं। "मनुष्य बाहरी रूप को देखता है, परन्तु परमेश्वर मन को देखता है।" परमेश्वर हममें से प्रत्येक को विशेष और महत्वपूर्ण रूप में देखते हैं।
आज की ही तरह, बाइबल के जमाने में लोग दूसरों का मूल्यांकन इस आधार पर करते थे कि वे किस परिवार से हैं, वे कितने अच्छे दिखते हैं और क्या उनके पास बहुत सारा पैसा है या नहीं।
आज रात, हम वीडियो "रोबोट्स" देखने जा रहे हैं, जहां रॉडनी कॉपरबॉटम अपने नायक, बिगवेल्ड से सीखते हैं कि:

"आप चमक सकते हैं, चाहे आप किसी भी चीज से बने हों।"

एक दिन परमेश्वर गिदोन के सामने प्रकट हुए और उसे एक शक्तिशाली शूरवीर कहकर पुकारा। गिदोन ने कहा, "मेरा परिवार गरीब है और मैं अपने पिता के घराने में सब से छोटा हूं।" (पद 15)
परमेश्वर के बारे में दिलचस्प बात यह है कि वह शक्तिशाली लोगों की बजाय सामान्य रूप से छोटे लोगों को अपने कार्य को पूरा करने के लिए बुलाते हैं। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है ताकि परमेश्वर यह दिखाना चाहते हैं कि चमत्कार केवल वही कर रहे हैं, न कि हम इंसान जो उनके लिए काम कर रहे हैं। गिदोन को यह समझने में परेशानी हुई कि परमेश्वर वास्तव में उसका उपयोग करना चाहते थे, क्योंकि किसी ने कभी नहीं सोचा था कि वह कोई ख़ास था और वह सभी सैनिकों को युद्ध में अगुवाई दे सकता था।
इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अच्छे परिवार से हो कि नहीं या आपके पास बहुत अधिक प्रभाव या पैसा है कि नहीं। परमेश्वर अब भी आपका और मेरा उपयोग असाधारण कार्य को करने के लिए करना चाहते हैं। परमेश्वर हमारे द्वारा दुनिया को बदलना चाहते हैं! रॉडनी कॉपरबॉटम को भी इसी बात का एहसास हुआ। वह एक आविष्कारक बनना चाहता था, लेकिन वह केवल इस्तेमाल किए गए पूर्जों का एक समूह था, और एक डिशवॉशर का बेटा था!
परमेश्वर जानते हैं कि आप सिद्ध नहीं हैं, और आप "कार्य के लिए सर्वोत्तम" नहीं हैं। इसीलिए उसने आपको चुना है! परमेश्वर दुनिया को अपनी महिमा और प्रेम दिखाने के लिए ऐसे लोगों का उपयोग करना पसंद करते हैं जो सिद्ध नहीं हैं!
अपने भय को छोड़ना और परमेश्वर की आज्ञा मानना महत्वपूर्ण होता है। बाहर जाकर परमेश्वर के लिए कुछ बड़ा करने से डरना आसान है। जोखिम उठाना और आप जो कर रहे हैं उसके लिए लोगों द्वारा आपका मजाक उड़ाया जाना डरावना लगता है। हमारी बाइबल कहानी में, परमेश्वर गिदोन से नगर में रखी एक मूर्ति को तोड़ने और एक सच्चे परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाने के लिए कहते हैं। गिदोन आज्ञा का पालन करता है, नगर में रखी उस मूर्ति को तोड़ देता है, लेकिन वह इसे अपने परिवार और शहर के सभी लोगों के डर के कारण रात के समय करता है। (पद 27)
वीडियो "रोबोट्स" में, रॉडनी अपने सपने के पीछे चलने का फैसला करता है। वह अपने नायक "बिगवेल्ड" को खोजने और एक आविष्कारक बनने की उम्मीद में रोबोट सिटी की ओर यात्रा करता है। लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया जाता है और उसे भी सभी जंग लगे रोबोटों के साथ सड़क पर बाहर निकाल दिया जाता है।
परमेश्वर के लिए कुछ महान बनने के लिए पहला कदम बाहर निकलना और कुछ जोखिम उठाना है। पहले तो नतीजे मायने नहीं रखते, बल्कि महत्वपूर्ण हिस्सा कुछ करना गुजरना होता है। इससे परमेश्वर को हमारे स्थान पर कार्य करने और कुछ चमत्कारी कार्य करने का अवसर मिलता है। परमेश्वर चाहते हैं कि हम अपना डर छोड़ें और उसकी आज्ञा मानें।
आज हमने सीखा कि परमेश्वर हमसे प्रेम करते हैं और हमारे जीवन में कुछ विशेष करना चाहते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम महत्वपूर्ण या अमीर हैं कि नहीं, या हम अच्छे दिखते हैं कि नहीं। परमेश्वर महान कार्यों को करने के लिए नम्र लोगों का उपयोग करना पसंद करते हैं। हमने यह भी सीखा है कि जब हमें डर लगता हैं तब भी केवल परमेश्वर की आज्ञा मानकर शुरुआत करना महत्वपूर्ण होता है, और परिणामों के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें।

और परिणामों के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें।

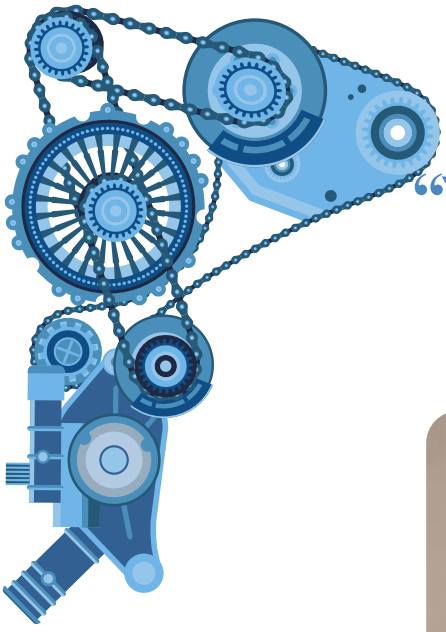

गतिविधि : "इसे रोबोट की तरह करो"

एक थैली में, कागज के कुछ तैयार टुकड़े रखें, जिन पर अलग-अलग क्रियाएं लिखी हों (उदाहरण के लिए नीचे देखें)। बच्चे बारी-बारी से थैली से एक कागज़ का टुकड़ा निकालते हैं और उन्हें इस तरह कार्य करना होता है जैसे कि वे कोई रोबोट हों।

उदाहरण: अपने दाँत को ब्रश करना, स्वेटर पहनना, अपनी नोटबुक खोलकर लिखना, दीवार पर रंग लगाना, फर्श साफ़ करना, केला खाना, कुत्ते को घुमाना, क्रिकेट में छक्का लगाना आदि।

शिल्पकला

सामग्रियाँ:

प्रत्येक बच्चे को 1 और 1/2 पेपर प्लेट
रंगीन कागज (लाल, हरा, नीला)
गोंद
कैची
पाइप क्लीनर
एल्यूमीनियम पन्नी
हिलने-ढुलने वाली आँखें (बड़े आकार के)
अलग-अलग रंग के शिल्पकला टेप
एक काला मार्कर
छेद करनेवाला उपकरण
रिबन का टुकड़ा (30 सेमी) प्रति बच्चा

रोबोट शिल्पकला के निर्देश:

1. ½ प्लेट के गोलाकार किनारे को दाहिनी ओर की ओर रखते हुए पूर्ण आकार की प्लेट से चिपका दें।
2. रंगीन कागज के चौकोर टुकड़े और एल्युमीनियम पन्नी के छोटे चौकोर टुकड़े काटें और आंखों की जगह पर इन्हें चिपकाएँ। प्रत्येक एल्यूमीनियम चौकोर के केंद्र में हिलने-ढुलने वाली आँखों को चिपका दें।
3. एल्युमिनियम पन्नी की एक गेंद से नाक बनाएं।
4. होंठ बनाने के लिए लाल कागज की पट्टियों का उपयोग करें और बड़े रोबोट के दांत बनाने के लिए मार्कर का उपयोग करें।
5. छेद करने के लिए होल-पंच उपकरण का उपयोग करें और पाइप क्लीनर से एंटीना बनाएं।
6. चेहरे के गर्दन वाले भाग को सजाने के लिए अलग-अलग लंबाई के रंगीन टेप का उपयोग करें।
5. होल-पंच उपकरण से छेद बनाएं और उसमें रिबन पिरोएं और गांठ बांध लें।

खेल

"अगुवे का विषम अनुसरण करें"
पारंपरिक खेल "अगुवे का अनुसरण करें" की तरह ही, लेकिन थोड़ा अधिक कठिन है।

अगुवा एक ऐसी मुद्रा बनाएगा जिसका बाकी बच्चों को अनुसरण करना होगा। चुनौती यह देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक समय तक उस मुद्रा में बना रह सकता है। यदि कोई खिलाड़ी एक बार मुद्रा बनाने के बाद हिल जाता है, तो वह बच्चा खेल से बाहर हो जाएगा। जो खिलाड़ी मुद्रा में सबसे लंबे समय तक बना रहेगा वह अगला अगुवा बनेगा।

कुछ चुनौतीपूर्ण मुद्राओं के उदाहरण:
* नर्तकी - अपने पैर के पंजों के बल खड़े हो जाएं और अपने हाथों को अपने सिर के ऊपर रखें।
* अक्षर टी (अंग्रेजी में) - दोनों हाथों को अपने कंधों की ऊंचाई पर सीधे रूप से फैलाकर रखें।
* चिड़िया - एक पैर पर खड़े हो जाएं और दूसरे फैले हुए पैर को 90 डिग्री तक उठाएं।
* तगड़ा आदमी - पुशअप स्थिति में बने रहना
* सुपरमैन - अपने सिर, पैर और हाथों को जमीन से ऊपर उठाकर पेट के बल लेटें।
* पेटदर्द - दोनों पैरों को फैलाकर और ऊपर उठाकर अपनी पीठ के बल लेटें, आपके पैर ज़मीन से 6 इंच ऊपर उठे हुए हों।

प्रचार #2

“प्रभु की सामर्थ में हमारी जय है”
न्यायियों अध्याय 7 को पढ़ें

परमेश्वर दुनिया को हमसे अलग तरह से देखते हैं। वह अनंत काल के बारे में नहीं भूलता है, और यह वास्तविकता है कि हम इस ग्रह पर बहुत लंबे समय तक नहीं रहेंगे। परमेश्वर जानते हैं कि हमारा आत्मिक जीवन हमारे भौतिक जीवन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वह हमें बाइबल में इसके बारे में बताता है, लेकिन हमारे लिए इस पर ध्यान देना कठिन होता है क्योंकि दुनिया की चीज़ें हमें साफ़ नज़र आती हैं।

परमेश्वर गिदोन को युद्ध में जाने के लिए बुलाता है, परन्तु फिर वह उससे कहता है कि जो लोग डरे हुए हैं उन्हें वापस भेज दो! परमेश्वर ने गिदोन से कहा: अभी भी बहुत से लोग हैं, इसलिए इस्राएल यह दावा नहीं कर सकता कि उन्होंने अपनी ताकत से लड़ाई जीती है। परमेश्वर हमारे साथ भी ऐसा ही करेंगे. वह हमारे जीवन में चमत्कार करना चाहते हैं, लेकिन वह अपनी महिमा भी दिखाना चाहते हैं, और हमें यह घमंड नहीं करने देना चाहते कि हमने यह अपनी ताकत से किया है।

हमारे लिए सबसे अच्छी जगह वह है जहां हम कुछ असंभव काम कर रहे हैं, क्योंकि तब यह वास्तव में परमेश्वर ही है जो इसमें कार्य करते हैं!

गिदोन के लिए, परमेश्वर ने दुनिया को यह दिखाने के लिए सबसे कम और सबसे कमजोर लोगों का इस्तेमाल करना चुना कि उन्होंने अपनी ताकत से लड़ाई नहीं जीती है। परमेश्वर ने उनके सैनिकों की संख्या 32,000 से घटाकर 300 कर दी!

वीडियो में, रॉडनी जब रोबोट सिटी गया तो वह डरा हुआ था, लेकिन उसने पीछे मुड़कर घर नहीं जाने का फैसला किया, भले ही वह जंग लगे रोबोटो के साथ सड़क पर पहुंच गया था।

परमेश्वर आपके साथ कहाँ पर है? क्या आप डरे हुए हैं? क्या आप वापस मुड़कर जाना चाहते हैं?

गिदोन की लड़ाई में कुछ लोग डर के कारण वापस लौट गए और कुछ लोग अपने एक छोटे से कार्य के कारण लौट गए। परमेश्वर ने उन्हें नदी से पानी पाने को कहा, और जो लोग घुटनों के बल झुककर पानी में अपना मुँह डालते थे, उन्हें घर भेज दिया गया, परन्तु जो लोग पानी उठाकर और अपने हाथों से पीकर सतर्क बने रहे, उन्हें वहीं रोक दिया गया। आप डर के कारण पीछे न हटने का निर्णय लेते हुए आज भी परमेश्वर के साथ रहने का चुनाव कर सकते हैं।

अंत में, हम गिदोन और उसके लोगों की जीत को देखते हैं, और उनके पास तलवारें भी नहीं थीं! परमेश्वर ने उन्हें केवल 300 व्यक्तियों के साथ विजय प्रदान की थी जिन्होंने अपनी मशालों को घड़ों से ढक दिया था। तब उन्होंने चिल्लाकर घड़ों को तोड़ डाला ताकि शत्रु उनकी जलती हुई मशालों को देख ले और समझे कि वे एक बड़ी सेना से घिरे हुए हैं। लेकिन वास्तव में, वे मशालें लिए केवल 300 लोगों से घिरे हुए थे! परमेश्वर ने दुश्मन को दुविधा में डाल दिया, और गिदोन ने युद्ध जीत लिया!

रॉडनी को “रोबोट्स” वीडियो में भी ऐसी ही सफलता मिली थी। वह एक छोटा सा लड़का था जिसे हर कोई नापसंद करता था क्योंकि वह हमेशा पुर्जों का इस्तेमाल करता था। लेकिन उसने एक आंदोलन शुरू किया और अंत में कुछ चमत्कारी काम कर दिखाया! रॉडनी ने बिगवेल्ड से सभी को बचाया। और सबसे अच्छी बात यह थी कि अंत में बिगवेल्ड ने रॉडनी को अपना उत्तराधिकारी चुना। अंत में उसे उससे कहीं अधिक सफलता मिली जितनी उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था!

अब, हम सभी जानते हैं कि “रोबोट्स” सिर्फ एक वीडियो है, और ये चीजें वास्तव में कभी नहीं हुईं; लेकिन हम इस वीडियो से और गिदोन की सच्ची कहानी से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हम सीख सकते हैं कि हममें से प्रत्येक जन परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारी चमड़ी का रंग क्या है, हम कौन सी भाषा बोलते हैं, हमने सैकेंड-हैंड कपड़े पहन रखे हैं, या हमारे माता-पिता अमीर नहीं हैं। वीडियो की तरह, हम जानते हैं कि “आप चमक सकते हैं, चाहे आप किसी भी चीज से बने हों।” यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि परमेश्वर हमेशा नम्र लोगों का इस्तेमाल करता है ताकि महिमा केवल उसी को मिले। उसे अपना काम करने के लिए आकर्षक लोगों की ज़रुरत नहीं है। उसे ऐसे इच्छुक लोगों की ज़रूरत है जो युद्ध में डटे रहें, भले ही वे डरे हुए हों।

तो, आप क्या कहते हो? क्या आप अपने जीवन में चमत्कारी चीजें करना और बड़ी बड़ी लड़ाइयां जीतना चाहेंगे? तो नम्र बनो और डरो मत!

परमेश्वर के साथ जुड़े रहें और उन्हें अद्भुत चीजें करते हुए देखें!

शिल्पकला

मशाल

आपको इन सामग्रियों की ज़रुरत होगी:

कागज या कार्डबोर्ड की एक सफेद शीट, साफ़ टेप।

12” x 12” के चौकोर लाल, पीले और नारंगी टिशू पेपर, प्रत्येक रंग का एक।

सफेद गोंद

निर्देश:

कार्डबोर्ड या कागज को कोण के आकार में रोल करें, और इसे चिपकने वाली टेप से बंद कर दें।

इसे टिशू पेपर के चौकोर टुकड़ों से ढक दें, नीचे लाल, ऊपर नारंगी और पीला भाग सबसे ऊपर।

कागज के चौकोर टुकड़ों को बीच से जोड़ें और उन्हें फूलों के गुलदस्ते की तरह पकड़ें।

कोण के द्वार के किनारों पर कुछ गोंद लगाएं।

कोण पर टिश्यू पेपर रखें और गोंद को पूरी तरह सूखने दें।

गतिविधि: स्तुति पार्टी !!

बच्चों के साथ मिलकर एक मज़ेदार स्तुति पार्टी के साथ जश्न मनाएँ कि परमेश्वर ने हमें जीत दिलाई है। बच्चे पहले से बनाई गई मशालों को ऊपर की ओर लहरा सकते हैं और कमरे के चारों ओर परेड कर सकते हैं, खुशी से जयकार कर सकते हैं और संगीत के साथ गीतों को गा सकते हैं! ऐसे गाने चुनें जो शिविर के विषय के अनुरूप हों – जैसे कि परमेश्वर द्वारा चुना गया, उसके पास हम में से प्रत्येक के लिए योजनाएं और उद्देश्य हैं, परमेश्वर में जीत है, आदि।

मज़ेदार मुद्राओं वाले गानों के कुछ सुझाव:

“मेरा परमेश्वर बहुत बड़ा परमेश्वर है” - यूट्यूब पर मौजूद एक्शन वीडियो

डौगी डौग डौग के गाने (द इनक्रेडिबल सॉन्ग; नथिंग्स टू बिग; ओके डोके; आईएम नोट जस्ट हियर... और भी बहुत कुछ अंग्रेजी में)। सभी यूट्यूब पर उपलब्ध हैं.

खेल "सेवा के लिए जियो"

<u>आप क्या करेंगे:</u>

दो टीमें बनाएं और अंकों को लिखने के लिए ब्लैकबोर्ड या व्हाइटबोर्ड का इस्तेमाल करें।

पहली स्थिति पढ़ें और "ए" टीम से उस स्थिति में यीशु के लिए जीने के एक तरीके को बताने के लिए कहें। यदि उनका उत्तर विश्वसनीय और संतुष्ट करने वाला है, तो टीम "ए" को 100 अंक दें। फिर टीम "बी" को उसी स्थिति पर एक अलग प्रतिक्रिया देने की कोशिश करने को कहें। यदि यह टीम "ए" द्वारा दिए गए से अधिक विश्वसनीय और अलग है, तो टीम "बी" को भी 100 अंक मिलेंगे।

इसके बाद, दूसरी स्थिति पढ़ें और टीम "बी" से उत्तर देने को कहें। यदि वे अच्छा उत्तर देते हैं, तो टीम "बी" को 100 अंक दें। फिर टीम "ए" को 100 अंक अर्जित करने के लिए उस स्थिति का अलग उत्तर देने का प्रयास करने को कहें। आपके द्वारा पढ़ी गई प्रत्येक स्थिति को इसी प्रकार जारी रखें। अंत में सबसे अधिक अंक वाली टीम जीतती है। ज्यादातर मामलों में, और थोड़ी सी रचनात्मकता के साथ, खेल बराबरी पर समाप्त कर सकते हैं।

<u>स्थितियाँ:</u>

1. आपके पड़ोस में एक बूढ़ा व्यक्ति रहता है। आपको एहसास हुआ कि वह बीमार है और कई दिनों से चल-फिर नहीं पा रहा। इस स्थिति में आप वहाँ यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (खाना देना, घर साफ़ करना)
2. स्कूल में आपका एक मित्र है जिसे कोई पसंद नहीं करता है। दूसरे बच्चे हमेशा उसका मजाक उड़ाते हैं। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (अच्छा दोस्त बनकर, उसके साथ खेलना, उसके साथ दोपहर का भोजन करना आदि)
3. आपकी कलीसिया दुनिया के अन्य हिस्सों में मिशनरियों की सहायता करने के लिए एक कार्यक्रम चला रही है। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (पैसा देकर, कार्यकर्ताओं के लिए प्रार्थना करना, पत्र लिखकर आदि)
4. आपके पड़ोस में एक नया परिवार आ रहा है; आपको पता चलता है कि उनका भी आपकी ही उम्र का एक बच्चा है। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (मुलाकात करना, पड़ोस में उसका स्वागत करना, उसका मित्र बनना)
5. एक लड़का हर हफ्ते आपके संडे स्कूल में आता था। लेकिन, वह पिछले तीन हफ्तों से आ नहीं रहा है। आपको पता चलता है कि उसके पास उसे चर्च तक ले जाने वाला कोई नहीं है। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (उसे अपनी गाड़ी में बैठाकर लाना, उसे आने के लिए प्रोत्साहित करना, उसके लिए चीज़ें लाना)
6. आपका मित्र कुछ दिनों से बीमार है। उसकी माँ आपको बताती है कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है और वह कुछ हफ़्तों के लिए बाहर खेलने नहीं जा पाएगा। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (उसे एक कार्ड भेजना, मुलाकात करना, प्रार्थना करना)
7. आपके सहपाठी खाने की छुट्टी के दौरान बुरे चुटकुले सुनाते हैं। आप उनकी बातें नहीं सुनते इस कारण वे आपका मज़ाक उड़ाते हैं। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (निराश नहीं होना, उनको यीशु के बारे में बताना)
8. एक बड़ा तूफान आया था, आपके पड़ोस में बहुत सारे पेड़ गिर गए थे, और अब बहुत से लोगों के घर में बिजली नहीं हैं। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (बिजली वापस आने तक अपने घर में उन्हें ठहरने की जगह देना, पता करना कि वे ठीक हैं या नहीं, पेड़ की शाखाओं को हटाने में मदद करना)
9. एक पड़ोसी आपको बाइबल ले जाते हुए देखता है और इसके बारे में पूछता है। इस स्थिति में आप यीशु की सेवा करने के लिए कैसे जी सकते हैं? (उसको यीशु के बारे में बताना, उसे चर्च में आमंत्रित करना)

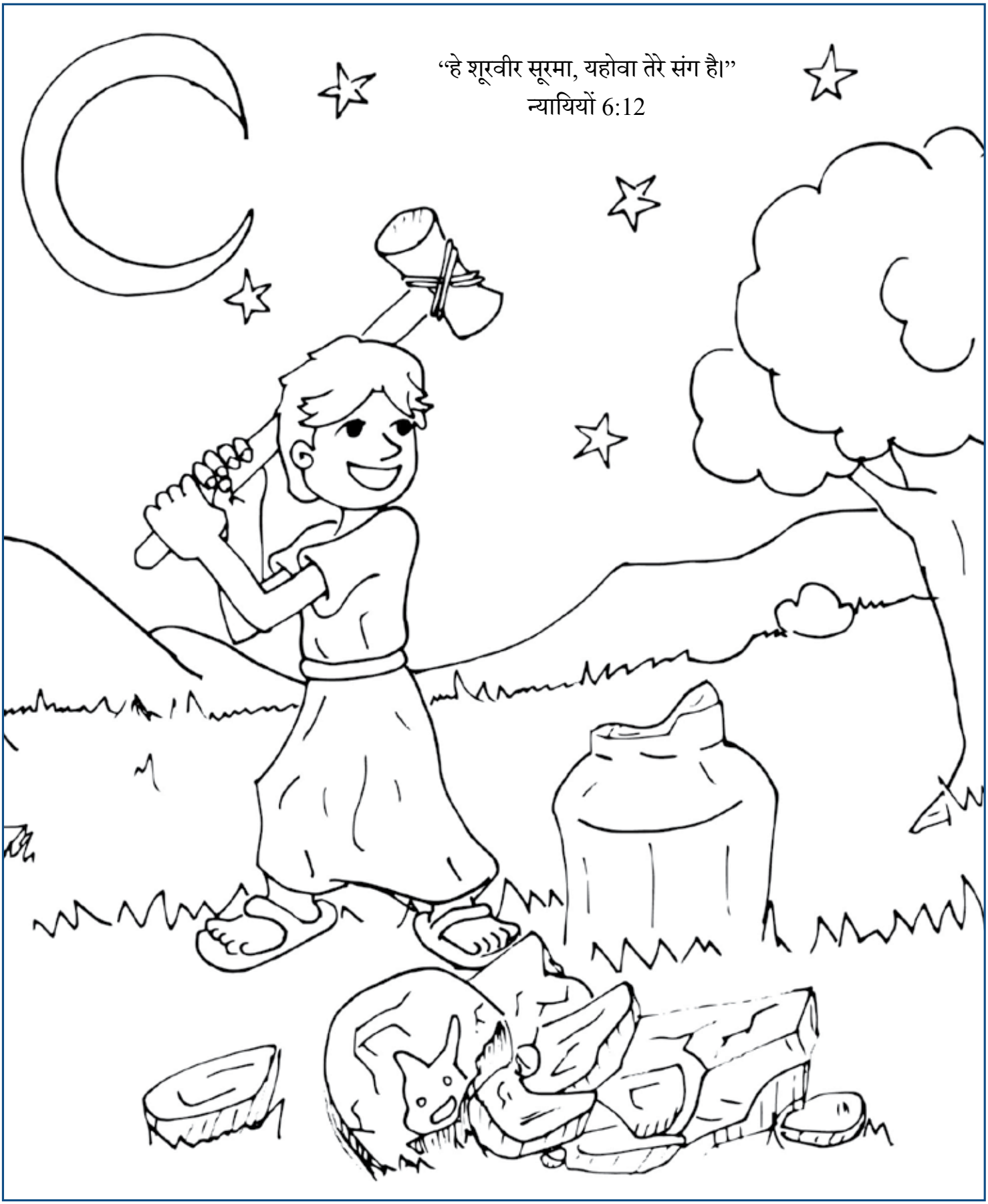
"हे शूरवीर सूरमा, यहोवा तेरे संग है।"
न्यायियों 6:12

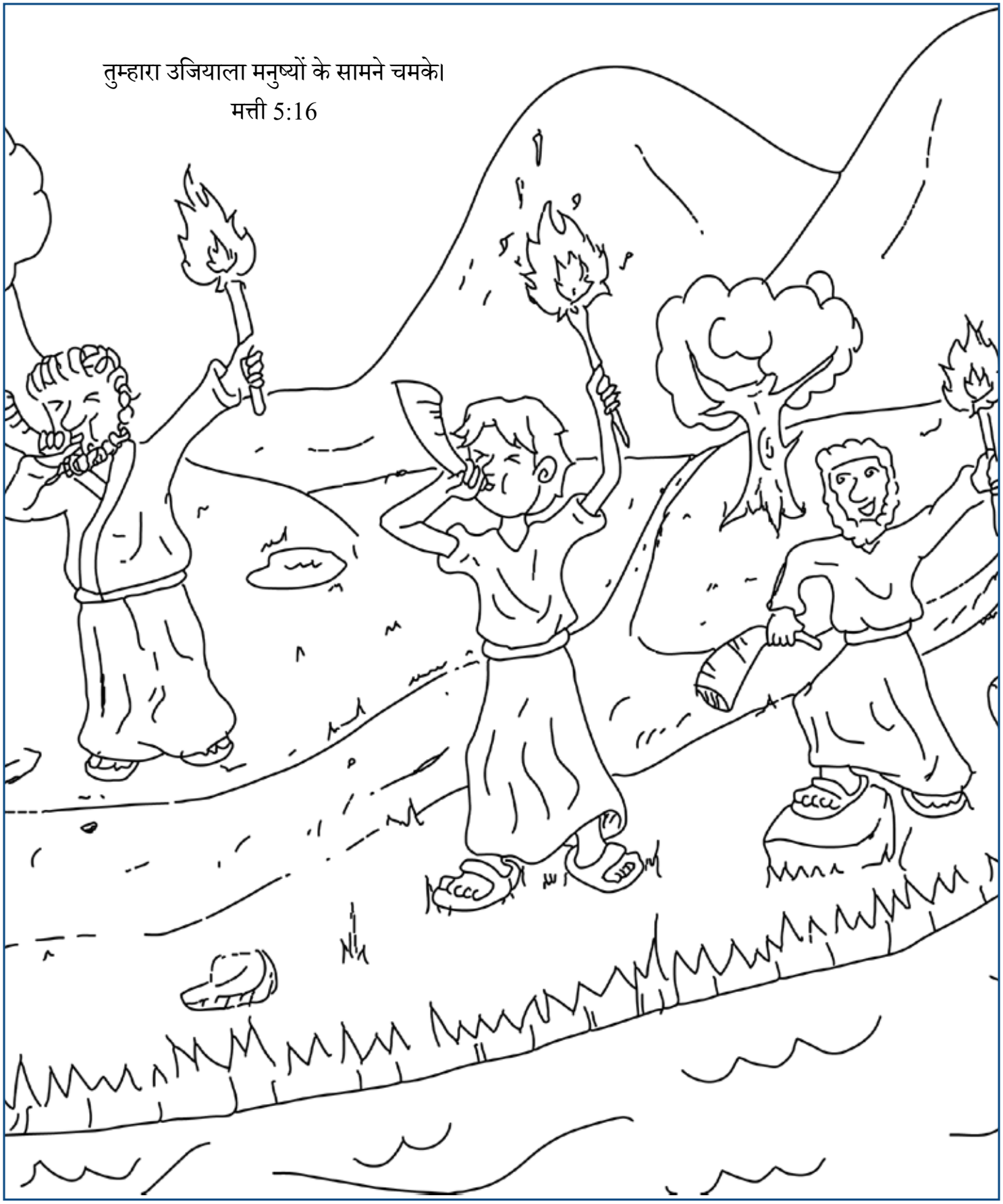
तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके।
मत्ती 5:16

“मेरी आज्ञा यह है, कि जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।”

यूहन्ना 15:12

www.ChildrenArelmportant.com
info@childrenareimportant.com
WhatsApp: +91 96560 75587

Equip & Grow
बच्चें महत्वपूर्ण है